अभी हम ये जो स्कीझोफ्रेनिया बिमारी उसके इलाज के बारे मे ट्रीटमेंट के बारे मे बात करेंगे!

अभी एक बार डायग्नोसिस कन्फर्म हुआ स्किझोफ्रेनिया तो ट्रीटमेंट ऑपशन्स दो तरीके के रहते है एक है ओपीडी बेसिस ट्रीटमेंट और दुसरा है आयपीडी बेसिस ऍडमिट कर के पेशंट का इलाज कर सकते है!

अभि कोनसा पेशंट हम ओपीडी बेसिस पे कर सकते है?

माइल्ड टू मॉडरेट केस हे जो पेशंट को ऑपरेटिव्ह है और पेशंट जो खुद आता है मेडिसिन लेने के लिये तयार है mild टू मॉडरेट केस में ओपीडी बेस पे ऑप्शन रहता है और जो पेशंट violent है जो नॉन को ऑपेरेटीव्ह है जो पेशंट हम opd बेस पर try करते है लेकिन उसको जितना चाहे उतना सक्सेस नही मिलता नही मिलता तो ऐसे पेशंट को हम ऍडमिट करके ट्रीटमेंट कर सकते है!

अभी ट्रीटमेंट शुरु करणे के बाद ओपीडी या Ipd बेस पे ट्रीटमेंट करेंगे तो ट्रीटमेंट पॅटर्न तीन तरीके के हो सकते है जैसे की

1. Pharmaco Therapy याने की दवाई से इलाज

2. Electroconvulsive Therapy : जिसको हम पुराने जमाने मे शॉक थेरपी बोलते थे!

3. Counselling :

अगर मेडिसिन का ऑप्शन शुरू करेंगे शुरू मे antipsychotic drugs शुरू करेंगे. इसीलिये जो मेडिसिन्स शुरू करते है वो बॅलेन्स रखने का काम करते है इसको हम अँटी सायकॉटिक बोलते है!

अगर मेडिसिन के उपर फरक नही पडता है मेडिसिन से फरक नही पडता है उसको हम इलेक्ट्रो कंव्हलसिव्ह थेरपी शॉक थेरपी ऑप्शन्स हम रखते है!

जो पेशन्ट ओपीडी बेस पे ट्रीटमेंट करते है उनको सिर्फ दवाइयों का ऑप्शन रखते है और जो पेशंट ऍडमिट करते है उसको हम दवाइयों का और Electroconvulsive Therapy का ऑपशन रखते है और 3rd ऑपशन्स जो कौन्सिलिंग है!

ये स्किझोफ्रेनिया बिमारी काउंसलिंग से अच्छी नही होती काउंसलिंग का रोल रहता है लेकिन जब पेशंट मे इम्प्रोवमेंट होती है तब उसके बाद हम पेशंट को ये बिमारी के बारे मे काउंसलिंग करते है जैसे की मेडिसिन चालू रखना जरुरी है बिमारी क्यूँ होती है दवाई कंटिन्यू रखने के बाद इसका इलाज कंटिन्यू करने के बाद जो भी care रखना है उसके बारे मे हम कौन्सिलिंग करते है!

अभी दवाई कितने दिन तक लेनी पडेगी कितना दिन ये ट्रीटमेंट चलेगा कॉमन सवाल लोगो मे रहता है ऐसा है की बीमारी अगर पहिली बार हुई है तो गाईडलाईन्स मे ऐसा बोला है की 6-8 months दवाई देना जरुरी है!

अगर ये बिमारी दुसरी बार हुई है तो उसका ट्रीटमेंट दिड या दो साल करना पडता है अगर ये बिमारी तिसरी बार हुई है तो करीबन 2-5 साल लेना पडता है और कभी कभी पेशंट को बिमारी बहुत बार हुई है पांच छह बार ऐसी बिमारी आती है जाती है कैसा रहेगा मल्टिपल एपिसोड्स रहेगा तो पेशंट को कभी कभी लाइफ लॉग दवाई लेनी पड सकती है!

अगर ट्रीटमेंट करते समय ऍडमिट करके ट्रीटमेंट करनेका ऑप्शन होता है तो कितना दिन ॲडमिट करना पडता है ये भी कॉमन सवाल है?

जब हम ऍडमिट करेंगे तो हमारे सेंटर मे 15 से 20 दिन ऍडमिट करते है दवाई शुरू करके हम ECT Electroconvulsive Therapy का ऑप्शन हम शुरू करते है!

अभी ECT कितना देते है, तो हम आम तौर से आठ से दस ECT रोज लगते है! 5 या 6 ECT तक हम ऍडमिट करते है इसके बाद हमारा डिस्चार्ज का प्लॅन रहता है इसलिये 15 से 20 दिन तक ऍडमिट करते ट्रीटमेंट कोर्स रहता है!

पेशंट मे फरक पडणे के चान्सेस कितने है?

एक बहुत ही कॉमन सवाल है तो इसका ऐसा है सिझोफ्रेनिया बिमारी है इसका CURE हम नही बोल सकते हो तो ऐसी बिमारी को हम Control कर सकते है इसका मतलब क्या है ये बीमारी फिर से आ सकती है!

जेसी की दवाईया जो शुरू करने के बाद बंद करने के बाद फिरसे बीमारी आ सकती है पेशंट को हम दवाई देते है कोई रेगुलर लेता है कभी लेता है कभी नही लेता है फिर भी बिमारी आ सकती है!

और तिसरा है की दवाई भी हम बराबर से दे रहे है डॉक्टर भी ठीक से देख रहे है हम सब बराबर कर रहे है जैसे डॉक्टरने बोला है जैसे ट्रीटमेंट सुरू है सब बराबर से कर रहे है फिर भी ये बिमारी आ सकती है!

तो रिलेटिव्ह को पता होना चाहिए ये बिमारी कभी भी फिर से आ सकती है